बिहार सरकार

ग्रामीण विकास विभाग

पत्रांक 14/स्थि0/173035 पटना, दिनांक 02/01/2014

प्रेषक,

अमृत लाल मीणा,

सचिव ।

सेवा में,

सभी जिला पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक,

बिहार ।

विषय :- **मनरेगा एवं निर्मल भारत अभियान के समाहरण से बनाए जा रहे शौचालयों का गुणवत्तायुक्त निर्माण के संबंध में ।**

महाशय,

मनरेगा एवं निर्मल भारत अभियान के समाहरण से बनाए जा रहे शौचालयों के कार्यों के निरीक्षण के क्रम में सामान्यतः निम्न प्रकार की कमियाँ परिलक्षित हो रही हैं :-

1. टाईप डिजाईन के अनुसार शौचालय का निर्माण नहीं कराकर कई मामलों में निर्धारित मानक साईज से कम साईज का शौचालय बनाया जा रहा है । कुछ मामलों में दो पीट के बजाय एक पीट की बनायी जा रही है । कुछ मामलों में शौचालय के पईन के नीचे ही टंकी बना दी जा रही है ।

2. कई मामलों में ऐसा देखा गया है कि शौचालय की स्थापना घर के पास उचित स्थान पर नहीं की जा रही है । चूँकि गरीब परिवारों के पास जमीन सिमित होती है, इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि शौचालय का निर्माण इस प्रकार किया जाय ताकि उनकी जमीन का बेहतर उपयोग हो सके और शौचालय की स्थापना से घर का अहाता प्रभावित न हो ।

3. यह देखा गया है कि कार्यस्थल पर कार्य प्रारंभ हो गया है लेकिन ई.मस्टर जारी नहीं किए गए हैं । प्रत्येक कार्यस्थल पर ई.मस्टर अनिवार्य रूप से रहना चाहिए । कुछेक ऐसे दृष्टांत देखे गए हैं जिसमें पीट में Open Air Pipe लगाए गए हैं, जो तकनीकी रूप से उचित नहीं हैं ।

यह परामर्श दिया जाता है कि कनीय अभियंता, पंचायत तकनीकी सहायक तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रखंड समन्वयक के बीच पंचायतों को इस प्रकार बॉटकर समन्वय किया जाय ताकि हर शौचालय का निरीक्षण हो सके तथा तकनीकी विशेषज्ञों के अनुरूप वांछित गुणवत्तायुक्त शौचालय का निर्माण हो सके ।

विश्वासभाजन

1/1/14

(अमृत लाल मीणा)

सचिव